भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4720
दिनांक 31.03.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

उदयपुर में पेयजल की समस्या

4720. श्री अर्जुन लाल मीणा:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उदयपुर डिवीजन के कई क्षेत्रों में पेयजल की समस्या अभी तक मौजूद है;
(ख) यदि हां, तो क्या ग्रामीणों को दूरस्थ कुओं और बावड़ियों से पेयजल लाना पड़ता है;
(ग) क्या सरकार का जल जीवन मिशन के तहत पेयजल की समस्या का सामना करने वाले क्षेत्रों को शामिल करने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो उक्त क्षेत्रों को कब तक शामिल कर लिया जाएगा; और
(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ङ): अगस्त, 2019 से, भारत सरकार राज्यों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम) – हर घर जल का क्रियान्वयन कर रही है ताकि 2024 तक राजस्थान के उदयपुर जिले सहित देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पीने योग्य नल जल आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, उदयपुर जिले में 0.41 लाख (7.36%) परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना दी गई थी। अब तक, पिछले ढाई वर्षों में, 0.43 लाख (7.57%) ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, आज की तारीख के अनुसार, जिले में 5.64 लाख ग्रामीण परिवारों में से, 0.84 लाख (14.93%) परिवारों के पास उनके घरों में नल जल आपूर्ति उपलब्ध होने की सूचना है।

इसके अतिरिक्त, राजस्थान द्वारा सूचित किए गए अनुसार, 28.03.2022 की स्थिति के अनुसार, उदयपुर में लगभग 6.95 हजार ग्रामीण बसावटों में से, 55% आबादी वाली 4.29 हजार (61.72%) बसावटों में 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (एलपीसीडी) से अधिक के आपूर्ति स्तर के साथ और 43.13% आबादी वाली 2.61 हजार (37.55%) बसावटों में तर्कसंगत दूरी पर स्रोतों से 40 एलपीसीडी से कम आपूर्ति स्तर के साथ पीने योग्य पेयजल की व्यवस्था है तथा 0.02% आबादी वाली 52 (0.01%) ग्रामीण बसावटों में पेयजल स्रोतों में जल गुणवत्ता की समस्या होने की सूचना दी गई है।

***